वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 337 गुरुवार 14 मई 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

पेयजल और बिजली आपूर्ति में लापरवाही पर कलेक्टरों की जवाबदेही तय

मुख्यमंत्री ने जल जीवन मिशन में गति लाने और पेट्रोल-डीजल बचत के लिए कार पूलिंग पर दिया जोर

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान में पारा चढ़ने के साथ ही राज्य सरकार ने आमजन को भीषण गर्मी के प्रकोप से बचाने के लिए कमर कस ली है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित एक महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में पानी और बिजली की निर्बाध आपूर्ति को लेकर सख्त तेवर दिखाए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी है कि जनता को बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशान होना पड़ा, तो इसके लिए सीधे तौर पर जिला कलेक्टर और संबंधित विभागीय अधिकारी जिम्मेदार होंगे।

शून्य सहनशीलता की नीति

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रचंड गर्मी के इस दौर में पेयजल एवं बिजली आपूर्ति व्यवस्था राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, आमजन को राहत पहुंचाना हमारी सरकार का मुख्य ध्येय है। पानी और बिजली के संकट को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि बिजली कटौती और पानी की किल्लत से जुड़ी शिकायतों के लिए एक प्रभावी फीडबैक तंत्र विकसित किया जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि शिकायतों की नियमित मॉनिटरिंग की जानी चाहिए और शिकायत मिलते ही उसका त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि किसी क्षेत्र में अव्यवस्था पाई जाती है, तो वहां के जिला प्रशासन की जिम्मेदारी तय कर सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने बैठक में जल जीवन मिशन की प्रगति पर भी विस्तृत चर्चा की। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछली सरकार के कार्यकाल के दौरान इस महत्वपूर्ण योजना में कई अनियमितताएं सामने आईं और भ्रष्टाचार के चलते काम अधूरे छोड़ दिए गए, जिससे आमजन को परेशानियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने अधिकारियों को सख्त लहजे में निर्देश दिए कि जल जीवन मिशन के तहत जो भी कार्य प्रगति पर हैं, उन्हें एक निश्चित लक्ष्य निर्धारित कर समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए। मुख्यमंत्री ने अधूरे कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने और उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर बल दिया।

कलेक्टरों को साप्ताहिक समीक्षा के निर्देश

प्रशासनिक चुस्ती बनाए रखने के लिए मुख्यमंत्री ने सभी जिला कलेक्टरों को पाबंद किया है कि वे हर सप्ताह पेयजल और विद्युत आपूर्ति की स्थिति पर समीक्षा बैठक करें। इन बैठकों में न केवल वर्तमान आपूर्ति की स्थिति जांची जाए, बल्कि भविष्य की मांग और संभावित संकटों का आकलन कर अग्रिम कार्ययोजना भी तैयार की जाए। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भी संवेदनशीलता दिखाई। उन्होंने भीषण गर्मी के मद्देनजर प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों में साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल की उपलब्धता और मरीजों के लिए आवश्यक कूलर, पंखे एवं आवश्यक सुविधाओं की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए हैं।

मितव्ययिता और पेट्रोल-डीजल की बचत

मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक कार्यशैली में नवाचार और संसाधनों की बचत पर भी विशेष ध्यान केंद्रित किया। प्रधानमंत्री की अपील का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को पेट्रोल और डीजल की बचत के लिए वाहनों के उपयोग में मितव्ययिता बरतने की सलाह दी। मुख्यमंत्री ने इसके लिए 3 महत्वपूर्ण बिंदु साझा किए...

न्यूनतम वाहन उपयोग: अधिकारी सरकारी वाहनों का उपयोग केवल अत्यंत आवश्यक होने पर ही करें।

कार पूलिंग: एक ही गंतव्य या कार्यालय जाने वाले अधिकारी कार पूलिंग व्यवस्था को अपनाएं।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग को प्राथमिकता: जिलों के साथ होने वाली बैठकों के लिए अधिकारियों को लंबी यात्रा करने के बजाय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ने को प्राथमिकता दी जाए।

मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को निर्देश दिए कि इन दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए सभी जिला कलेक्टरों को औपचारिक परिपत्र जारी किया जाए।

कमूल एनजीओ की अनूठी पहल

''परिंडे बांधो–ई प्रमाण पत्र पाओ'' अभियान शुरू

सीकर. शाबाश इंडिया

पर्यावरण संरक्षण और बेजुबान पक्षियों की रक्षा के उद्देश्य से कमलादेवी जनसेवा संस्थान, सीकर द्वारा संचालित कमूल एक सहारा एनजीओ ने संपूर्ण भारत में ''परिंडे बांधो-ई प्रमाण पत्र पाओ'' अभियान की शुरूआत की है। संस्था की ओर से तेज गर्मी के मौसम में पक्षियों और बेसहारा जानवरों के लिए पानी की व्यवस्था करने को लेकर यह विशेष पहल शुरू की गई है। अभियान के तहत जो भी व्यक्ति अपने घर, मोहल्ले, छत, पेड़ या सार्वजनिक स्थान पर पक्षियों एवं बेसहारा जानवरों के पानी पीने के लिए परिंडे लगाएगा, उसे संस्थान की ओर से निःशुल्क ई-प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। संस्थान ने इसके लिए सरल प्रक्रिया भी तय की है। परिंडा लगाने वाले व्यक्ति को परिंडे के साथ अपनी सेल्फी या वीडियो बनाकर अपना नाम और पता लिखते हुए कमूल संस्थान की ई-मेल आईडी **kamulngoskr@gmail.com** पर भेजना होगा। सत्यापन के बाद संबंधित व्यक्ति को ई-प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। इस अवसर पर कमूल एनजीओ के अध्यक्ष डॉ. एस.के. फगेड़िया ने बताया कि भीषण गर्मी में पानी की कमी के कारण बड़ी संख्या में बेजुबान पक्षियों का जीवन संकट में पड़ जाता है। तेज धूप और बढ़ते तापमान के चलते पक्षियों को पानी नहीं मिल पाता, जिससे उनकी मौत तक हो जाती है। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने घर या आसपास एक परिंडा भी लगाए, तो हजारों पक्षियों की प्यास बुझाई जा सकती है। यह छोटा-सा प्रयास न केवल पक्षियों का जीवन बचाएगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। संस्था ने देशभर के नागरिकों से इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने और गर्मी के मौसम में जीव-जंतुओं के लिए पानी की व्यवस्था करने की अपील की है।

संस्कार से शिखर तक: नवीन भंडारी

पंचम पड़ाव (55 से 75 वर्ष): अनुभव, मार्गदर्शन और विरासत

वटवृक्ष सा जीवन जो स्वयं धूप सहकर भी दूसरों को छाया देता है...

जीवन का यह पड़ाव ठहराव का नहीं, बल्कि सार्थकता का होता है। यह वह अवस्था है जब व्यक्ति अपने अनुभवों की पूंजी के साथ समाज को दिशा देने की भूमिका में आता है। यह अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरूआत है—जहाँ व्यक्ति केवल अपने लिए नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जीना सीखता है।

जीवन का सत्य

इस अवस्था में पहुँचकर यह स्पष्ट हो जाता है कि वास्तविक संपत्ति न धन है और न ही पद, बल्कि वह अनुभव है जो जीवनभर अर्जित किया गया और वे संस्कार हैं जो दूसरों को दिए गए। जन्म से लेकर इस पड़ाव तक की पूरी यात्रा व्यक्ति के कर्मों, निर्णयों और संबंधों के माध्यम से एक उदाहरण बनकर समाज के सामने खड़ी होती है। व्यक्ति का आचरण ही उसकी पहचान बनता है।

मार्गदर्शन की भूमिका

अब आपकी भूमिका एक मार्गदर्शक की होती है। आपके शब्द, आपका अनुभव और आपका व्यवहार युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा और दिशा बनते हैं। जब आप अपने अनुभवों को साझा करते हैं, बिना किसी अपेक्षा के समाज के कार्यों में योगदान देते हैं और अपने ज्ञान को दूसरों के विकास में लगाते हैं, तभी जीवन एक नई ऊँचाई प्राप्त करता है। इस पड़ाव पर सबसे बड़ा त्याग ''अहंकार'' का होता है और सबसे बड़ी उपलब्धि ''सेवा'' बन जाती है।

परिवार, समाज और देश के प्रति प्रतिबद्धता

जीवनभर निभाई गई जिम्मेदारियाँ—परिवार को संभालना, रिश्तों को जोड़कर रखना और समाज के लिए कार्य करना—इसी समय आपकी सबसे बड़ी पहचान बनती हैं। जो व्यक्ति सबको साथ लेकर चलता है, अपने स्वार्थ से पहले परिवार और समाज को महत्व देता है, वही आने वाली पीढ़ियों के लिए मजबूत आधार बनता है। सुविधाएं बढ़ जाने के बाद भी जिसने अपने संस्कारों को नहीं छोड़ा और जिसने केवल ''अपने लिए'' नहीं बल्कि ''सबके लिए'' जीने का मार्ग चुना, वही सच्चे अर्थों में आदर्श कहलाता है। विरासत का वास्तविक अर्थ विरासत केवल संपत्ति नहीं होती। विरासत वह होती है जो आपके जाने के बाद भी जीवित रहती है—आपके विचारों में, आपके संस्कारों में और उन लोगों के जीवन में जिन्हें आपने अपने कर्मों से प्रभावित किया। आपके कर्म ही आपकी वास्तविक पहचान बनते हैं और वही आपको समय बीत जाने के बाद भी लोगों के दिलों में जीवित रखते हैं।

अंतिम संदेश

जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि यह नहीं कि आपने कितना पाया, बल्कि यह है कि आपने अपने पीछे क्या छोड़ा। यदि आपके जाने के बाद लोग आपको सम्मान से याद करें, आपके संस्कारों को अपनाएँ और आपके दिखाए मार्ग पर चलें, तो समझिए आपका जीवन सफल हुआ। संपत्ति नहीं, संस्कार छोड़कर जाइए। ऐसा जीवन जीएँ कि आपके बाद भी आपकी उपस्थिति लोगों के दिलों में महसूस होती रहे। वटवृक्ष बनिए—जो स्वयं धूप में रहकर भी दूसरों को छाया देता है और जिसकी जड़ें पीढ़ियों तक मजबूत बनी रहती हैं।

दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल द्वारा धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर की सामग्री वितरण का शुभारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल, महिलांचल एवं समस्त संभागों के संयुक्त तत्वावधान में 17 मई से 26 मई 2026 तक आयोजित होने वाले धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर हेतु निःशुल्क शिक्षण सामग्री वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ 11 मई 2026 को महावीर साधना संस्थान, अहिंसा मार्ग, महावीर नगर, जयपुर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महासमिति के अध्यक्ष अनिल कुमार जैन (आईपीएस), कार्याध्यक्ष डॉ. णमोकार जैन, महामंत्री महावीर कुमार बाकलीवाल, कोषाध्यक्ष रमेशचंद सोगानी, मंत्री महावीर चांदबाड एवं मुख्य संयोजक डॉ. बी.सी. जैन के सानिध्य में हुआ। शिविर के लिए वितरित की गई सामग्री में संस्कार प्रवेशिका, संस्कार सरोवर भाग-1, 2, 3 एवं 4, छलढाला, भक्तामर श्री स्तोत्र, द्रव्य संग्रह, तत्त्वार्थसूत्र की पाठ्य पुस्तकें, कॉपियां, पेन, बैग एवं बैनर आदि शामिल रहे। सर्वप्रथम यह सामग्री एवरेस्ट कॉलोनी लालकोठी जैन मंदिर के अशोक जैन, प्रतापनगर सेक्टर-17 इकाई अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार झांझरी, श्रीमती प्रज्ञा जैन, चौमूबाग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद कुमार जैन तथा महावीर नगर के रमेशचंद सोगानी को प्रदान की गई। इस अवसर पर अध्यक्ष अनिल कुमार जैन (आईपीएस) एवं मुख्य संयोजक डॉ. बी.सी. जैन ने शिविर के उद्देश्यों, धार्मिक संस्कारों के महत्व एवं आयोजन संबंधी आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर बच्चों और युवाओं में धार्मिक एवं नैतिक मूल्यों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में विभिन्न इकाइयों के पदाधिकारियों एवं समाजजनों की उपस्थिति रही। — **महावीर कुमार बाकलीवाल, महामंत्री**

श्री दिगंबर जैन युवा मंडल, ब्यावर द्वारा "अक्षय जलधारा" सेवा का शुभारंभ

ब्यावर. शाबाश इंडिया

भीषण गर्मी के बीच आमजन को राहत पहुंचाने एवं सेवा भाव को साकार करने के उद्देश्य से श्री दिगंबर जैन युवा मंडल, ब्यावर द्वारा कोर्ट परिसर के सामने राधिका तिलपट्टी के बाहर निशुल्क शीतल पेयजल सेवा का शुभारंभ किया गया। मंडल द्वारा इस जनसेवा अभियान को ''अक्षय जलधारा'' नाम दिया गया है। यह सेवा पूरे ग्रीष्मकाल के दौरान राहगीरों, आमजन एवं जरूरतमंदों को ठंडा एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराएगी। बढ़ती गर्मी और तेज तापमान के बीच युवा मंडल की यह पहल लोगों के लिए राहत का माध्यम बनकर सामने आई है। मंडल के सदस्यों ने बताया कि सेवा, सहयोग और मानवता की भावना से प्रेरित होकर इस कार्य की शुरूआत की गई है, ताकि तपती धूप में निकलने वाले प्रत्येक व्यक्ति को शीतल जल उपलब्ध कराया जा सके। इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष रितेश बड़जात्या ने कहा कि समाज सेवा ही संगठन का मुख्य उद्देश्य है तथा भविष्य में भी जनहित से जुड़े ऐसे सेवा कार्य निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे। मंडल के मंत्री राकेश गोधा ने कहा कि युवा मंडल सदैव सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाता आया है और ''अक्षय जलधारा'' उसी सेवा श्रृंखला का महत्वपूर्ण प्रयास है। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर मंडल के अध्यक्ष रितेश बड़जात्या, मंत्री राकेश गोधा, उपाध्यक्ष अंकुर अजमेरा, अतुल बड़जात्या, कोषाध्यक्ष पवन पाटनी, प्रमोद बड़जात्या, सहमंत्री मनोज सोगानी सहित अजीत गोधा, लोकेश रावका, शरद बड़जात्या, सुमित अजमेरा, अंशुल रानीवाला, यश जैन, महावीर अजमेरा, मनीष अजमेरा, संजय जैन, नितिन बाकलीवाल एवं जम्बू कासलीवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सेवा कार्य में भाग लेते हुए व्यवस्थाओं को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया। ''अक्षय जलधारा'' सेवा के सफल संचालन हेतु अंशुल रानीवाला, मनीष अजमेरा एवं आकाश छाबड़ा को संयोजक नियुक्त किया गया है। मंडल के पदाधिकारियों ने आमजन से इस सेवा का लाभ लेने एवं समाजहित के ऐसे कार्यों में सहयोग करने की अपील भी की।

मुनि विश्रांत सागर एवं मुनि सोम्य सागर महाराज का नगर में मंगल प्रवेश

सोनल जैन की रिपोर्ट

भिंड। समाधि सम्राट गणाचार्य विराग सागर महाराज एवं पट्टाचार्य विशुद्ध सागर महाराज के परम शिष्य श्रवण मुनि विश्रांत सागर महाराज एवं मुनि सोम्य सागर महाराज ससंघ का नगर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। मुनिराजों का प्रवेश लश्कर रोड स्थित कीर्ति स्तंभ जैन मंदिर से प्रारंभ हुआ, जहां सकल जैन समाज एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा बैंड-बाजों के साथ भव्य अगवानी की गई। मंगल प्रवेश यात्रा नगर भ्रमण करते हुए आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, पेच नंबर-2 पहुंची। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने मुनिराजों का पाद प्रक्षालन, आरती एवं पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। धार्मिक वातावरण और जयघोषों से पूरा नगर भक्तिमय हो उठा। इस अवसर पर नगर में विराजमान उपाध्याय विनिश्चल सागर महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि पट्टाचार्य विशुद्ध सागर महाराज की नगरी में संतों का आगमन होना अत्यंत सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि जो नगर कभी डाकुओं की नगरी के रूप में पहचाना जाता था, आज वह संतों की वाणी से विशुद्ध भूमि बन चुका है। जहां संतों का आवागमन होता है, वह नगरी धर्ममय हो जाती है। श्रवण मुनि विश्रांत सागर महाराज ने कहा कि समाधि सम्राट गणाचार्य विराग सागर महाराज द्वारा लगाई गई धर्म की यह बगिया आज पूरे भारतवर्ष में फल-फूल रही है। उनके शिष्य देशभर में जैन धर्म की ध्वजा फहरा रहे हैं तथा मंदिरों एवं पंचकल्याणक महोत्सवों के माध्यम से समाज को जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केवल मंदिर निर्माण ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि समाज को धर्म और संस्कारों से जोड़ना भी आवश्यक है। मुनि सोम्य सागर महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि जीव अकेला जन्म लेता है और अकेला ही इस संसार से जाता है। उन्होंने कहा कि धन की तीन गतियां होती हैं—दान, भोग और नाश। जो व्यक्ति अपने धन का सदुपयोग धर्म और सेवा के कार्यों में करता है, उसे निश्चित रूप से सद्गति प्राप्त होती है। कार्यक्रम के दौरान मुनिराजों का पाद प्रक्षालन टीपू जैन, विनोद जैन, पन्ना दुबे एवं उनके समूह द्वारा किया गया। वहीं शास्त्र भेंट का सौभाग्य सौरभ-रिंकी जैन, पंकज जैन मारवाड़ी, साजन जनरल स्टोर, बंगाली जैन, महेश पहाड़िया, रविसेन जैन, अनीश जैन, अरविंद जैन, कमलेश जैन, गीता जैन, नाथूराम जैन सहित अनेक श्रद्धालुओं को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर रविशंकर जैन, महेश पहाड़िया, विनोद जैन, राजीव जैन, रविंद्र जैन, पार्षद मनोज जैन, यश जैन, बॉबी जैन, अंकित जैन, ऋषभ जैन, मयंक जैन, नैतिक जैन, मनीष जैन, भूरे जैन, अमन जैन, सार्थक जैन, श्रेयांश जैन, सचिन जैन, पिंकू जैन, देवेंद्र जैन, अशोक जैन, पदमचंद जैन, सुभाष जैन सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

राजनीति

प्रोजेक्ट चीता की नई उड़ान

हर्षवर्धन पाण्डेय

भारत में विलुप्त हो चुकी चीता प्रजाति को पुनर्स्थापित करने की महत्वाकांक्षी ''प्रोजेक्ट चीता'' योजना अब सफलता की नई कहानी लिख रही है। मध्यप्रदेश का कूनो नेशनल पार्क अब चीतों के लिए अनुकूल आवास बनता जा रहा है। वर्ष 1952 में भारत से चीतों के विलुप्त घोषित होने के लगभग सात दशक बाद सितंबर 2022 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नामीबिया से लाए गए आठ चीतों को कूनो में छोड़कर इस ऐतिहासिक परियोजना की शुरूआत की थी। आज कूनो न केवल विदेशी चीतों का सुरक्षित आश्रय स्थल बना है, बल्कि भारतीय धरती पर दूसरी पीढ़ी के चीतों के जन्म और प्राकृतिक प्रजनन का भी साक्षी बन चुका है। श्योपुर जिले में स्थित कूनो नेशनल पार्क लगभग 74 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है। विंध्याचल पर्वतमाला के उत्तरी भाग में स्थित यह क्षेत्र शुष्क पर्णपाती वनों, घास के मैदानों और समृद्ध जैव विविधता से परिपूर्ण है। यहां चीतल, सांभर, नीलगाय, चिंकारा और जंगली सूअर जैसे पर्याप्त शिकार उपलब्ध हैं, जो चीतों के लिए आदर्श परिस्थितियां तैयार करते हैं। कम मानवीय हस्तक्षेप और खुले घास के मैदान कूनो को चीतों के लिए उपयुक्त आवास बनाते हैं। सितंबर 2022 में नामीबिया से आठ चीते भारत लाए गए थे, जबकि फरवरी 2023 में दक्षिण अफ्रीका से 12 और चीते कूनो पहुंचे। इसके बाद बोत्सवाना से भी चीतों को लाने की प्रक्रिया शुरू हुई। कूनो में मादा चीताएं गामिनी और ज्वाला सहित कई चीतों ने शावकों को जन्म दिया है। अब तक यहां दर्जनों शावकों का जन्म हो चुका है, जो परियोजना की सफलता का प्रमाण है। अप्रैल 2026 में कूनो ने वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में नया इतिहास रचा। गामिनी की बेटी केजीपी-2 ने खुले जंगल में चार शावकों को जन्म दिया। यह पहली बार था जब भारत में जन्मी किसी चीता ने प्राकृतिक वन क्षेत्र में शावकों को जन्म दिया। इससे पहले अधिकांश शावकों का जन्म बाड़े वाले सुरक्षित क्षेत्रों में हुआ था। इस उपलब्धि के साथ भारत में चीतों की कुल संख्या 57 तक पहुंच गई है, जिनमें लगभग 37 भारत में जन्मे हैं। यह आंकड़ा दशार्ता है कि परियोजना अब केवल पुनर्वास तक सीमित नहीं रही, बल्कि स्थायी प्रजनन की दिशा में आगे बढ़ रही है।

संपादकीय

परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर सवाल

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) 2026 एक बार फिर विवादों के घेरे में है। 3 मई 2026 को आयोजित परीक्षा को मात्र नौ दिन बाद 12 मई को राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा रद्द कर दिया गया। लगभग 23 लाख छात्र-छात्राओं की मेहनत, अभिभावकों के सपनों और आर्थिक संसाधनों पर मानो पानी फिर गया। राजस्थान में कथित पेपर लीक की शिकायतों, व्हाट्सएप और टेलीग्राम पर प्रसारित ''गेस पेपर'' तथा

वास्तविक प्रश्नों में भारी समानता सामने आने के बाद केंद्र सरकार ने सीबीआई जांच के आदेश दिए हैं। यह घटना केवल एक परीक्षा विवाद नहीं, बल्कि देश की चिकित्सा शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न है। रिपोर्टों के अनुसार, राजस्थान पुलिस की स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) की जांच में एक हस्तलिखित 'गेस पेपर' मिला, जिसमें लगभग 410 प्रश्न थे। इनमें से बड़ी संख्या में प्रश्न वास्तविक नीट प्रश्नपत्र से मेल खाते पाए गए। विशेष रूप से रसायन शास्त्र और जीव विज्ञान खंड प्रभावित बताए जा रहे हैं। सीकर और जयपुर जैसे कोचिंग हब जांच के केंद्र में हैं। कई गिरफ्तारियां हो चुकी हैं और सीबीआई अब इस नेटवर्क की राष्ट्रीय स्तर पर जांच कर रही है। यह मामला 2024 के पेपर लीक विवाद की याद दिलाता है, जब बिहार सहित कई राज्यों में व्यापक अनियमितताएं सामने आई थीं। यह घोटाला केवल पेपर लीक का मामला नहीं, बल्कि व्यवस्थागत असफलता का प्रतीक है। एनटीए बार-बार 'फुल सिक्योरिटी प्रोटोकॉल' लागू करने का दावा करती है, लेकिन हर बार सुरक्षा व्यवस्था सवालों के घेरे में आ जाती है। प्रश्नपत्र की प्रिंटिंग, परिवहन, स्टोरेज और परीक्षा केंद्रों तक वितरण हर स्तर पर कमजोरियां उजागर हो रही हैं। कोचिंग माफिया, भ्रष्टाचार और कथित राजनीतिक संरक्षण का गठजोड़ परीक्षा की पवित्रता को प्रभावित कर रहा है। लाखों छात्र वर्षों तक कठिन परिश्रम करते हैं, जबकि ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मेधावी छात्र सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। एक लीक पूरे बैच की मेहनत और उम्मीदों को नष्ट कर देता है। परीक्षा रद्द होने के बाद देशभर में छात्रों का आक्रोश दिखाई दे रहा है। दिल्ली, जयपुर और पटना समेत कई शहरों में छात्र सड़कों पर उतर आए हैं। उनका गुस्सा स्वाभाविक है। महीनों की तैयारी, नींद की कुर्बानी और परिवार की आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद उन्हें फिर से परीक्षा देने की अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है। री-एग्जाम की घोषणा तो कर दी गई है, लेकिन नई तारीख अभी तय नहीं हुई। छात्र यह पूछ रहे हैं कि क्या इस बार सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होंगे और क्या दोबारा ऐसी घटना नहीं होगी। मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले असर की भी अनदेखी नहीं की जा सकती। कई छात्र तनाव, चिंता और अवसाद से गुजर रहे हैं। यह पहला अवसर नहीं है जब एनटीए की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हों। 2024 में भी पेपर लीक, ग्रेस मार्किंग और अन्य अनियमितताओं के मामले सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचे थे।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

हर बात पर राजनीति क्यों?

ललित गर्ग

आज दुनिया युद्ध, आर्थिक अस्थिरता, ऊर्जा संकट और वैश्विक बाजार की अनिश्चितताओं के दौर से गुजर रही है। खाड़ी देशों में जारी संघर्षों ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को गहरे प्रभावित किया है। कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि, आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधा, डॉलर के मुकाबले विभिन्न मुद्राओं की कमजोरी और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में असंतुलन ने लगभग हर देश को प्रभावित किया है। भारत भी इससे अछूता नहीं रह सकता, क्योंकि देश अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करता है और सोने के सबसे बड़े उपभोक्ताओं में शामिल है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ईंधन के संयमित उपयोग और सोने की खरीद सीमित करने की अपील केवल आर्थिक सलाह नहीं, बल्कि राष्ट्रहित में किया गया दूरदर्शी आह्वान है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि प्रधानमंत्री की इस अपील को भी राजनीतिक विवाद का विषय बना दिया गया। कुछ विपक्षी दलों ने इसे जनता में भय फैलाने वाला कदम बताया, जबकि कुछ ने इसे सरकार की विफलताओं को छिपाने का प्रयास कहा। जबकि वास्तविकता यह है कि यह अपील देश को संभावित आर्थिक चुनौतियों के प्रति सचेत करने और समय रहते आत्मअनुशासन अपनाने का संदेश है। जब दुनिया के बड़े-बड़े राष्ट्र आर्थिक संकटों से जूझ रहे हों, तब प्रधानमंत्री का संयम और मितव्ययिता का संदेश राजनीतिक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जिम्मेदारी का विषय माना जाना चाहिए। भारतीय संस्कृति मूलतः संयम प्रधान रही है। हमारे ऋषि-मुनियों और महापुरुषों ने सदैव आवश्यकता और विलासिता के बीच अंतर करना सिखाया। महावीर, बुद्ध, गांधी और विनोबा भावे ने त्याग और संयम को मानवता की सबसे बड़ी शक्ति बताया। भारतीय जीवन-दर्शन कहता है कि जितना आवश्यक हो उतना ही उपभोग करो, क्योंकि असीमित उपभोग अंततः संकट को जन्म देता है। आज जब पूरी दुनिया उपभोक्तावाद के दुष्परिणाम भुगत रही है, तब भारत की यही संस्कृति समाधान का मार्ग दिखा सकती है। सोने के प्रति भारतीय समाज का आकर्षण ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से गहरा रहा है। विवाह, उत्सव और सामाजिक प्रतिष्ठा में इसका विशेष महत्व है। लेकिन यह भी सत्य है कि भारत का अधिकांश सोना आयातित होता है। हर वर्ष अरबों डॉलर विदेशी मुद्रा भंडार से सोने के आयात पर खर्च होते हैं। ऐसे समय में जब विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ रहा हो और रुपये की स्थिति चुनौतीपूर्ण हो, तब सोने की खरीद में संयम बरतने की अपील आर्थिक दृष्टि से अत्यंत प्रासंगिक है। इसी प्रकार ईंधन के उपयोग में संयम भी समय की आवश्यकता है। भारत आयातित तेल पर निर्भर है और वैश्विक अस्थिरता का सीधा असर पेट्रोल, डीजल, परिवहन और महंगाई पर पड़ता है। यदि नागरिक अनावश्यक ईंधन उपयोग कम करें, सार्वजनिक परिवहन अपनाएं और ऊर्जा बचत को जीवनशैली बनाएं, तो इससे अर्थव्यवस्था के साथ पर्यावरण को भी लाभ होगा। संयम केवल त्याग नहीं, बल्कि दूरदर्शिता और जिम्मेदारी का प्रतीक है। आज जब कई देशों में आर्थिक संकट के कारण महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक तनाव बढ़ रहे हैं, तब भारत अपेक्षाकृत स्थिर स्थिति में खड़ा है। यह पिछले वर्षों में बुनियादी ढांचे के विकास, डिजिटल अर्थव्यवस्था, आत्मनिर्भर भारत अभियान और संतुलित आर्थिक नीतियों का परिणाम है। महामारी और वैश्विक संकटों के दौरान सरकार ने राहत योजनाओं, मुफ्त राशन और विभिन्न सहायता कार्यक्रमों के माध्यम से नागरिकों को राहत देने का प्रयास किया।

आज होगा अतिशय क्षेत्र साखना में आर्यिका विज्ञा श्री संसंघ का मंगल प्रवेश

शांतिनाथ भगवान का जन्म, तप एवं मोक्ष त्रय कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा

साखना. शाबाश इंडिया

मनीषी, सुविज्ञ विदुषी एवं सहस्त्रकूट विज्ञा तीर्थ प्रणेता परम पूज्य गणिनी आर्यिका विज्ञा श्री माताजी संसंघ का भव्य मंगल प्रवेश आज श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र, साखना में होगा। इस अवसर पर क्षेत्र में प्रवचन, स्वाध्याय, भक्ति एवं धर्म की सरिता बहेगी। प्रवक्ता राजेश अरिहंत ने बताया कि प्रातः धुआं ग्राम से मंगल पद विहार करते हुए आर्यिका संघ साखना पहुंचेगा। साखना मुख्य चौराहे पर अतिशय क्षेत्र प्रबंध समिति द्वारा पुष्पवर्षा एवं आरती उतारकर भव्य अगवानी की जाएगी। इसके बाद बैंड-बाजों एवं श्रद्धालुओं की भक्ति भावना के साथ आर्यिका संघ का श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र में मंगल प्रवेश होगा। आर्यिका विज्ञा श्री संसंघ के पावन सानिध्य में क्षेत्र पर मंगल प्रवचन, आहारचर्या, स्वाध्याय सभा एवं विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 15 मई को भगवान शांतिनाथ का जन्म, तप एवं मोक्ष कल्याणक महोत्सव ''त्रय कल्याणक महोत्सव'' के रूप में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया जाएगा। अतिशय क्षेत्र साखना प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रकाश सोनी एवं मंत्री प्यारचंद जैन ने बताया कि क्षेत्र में विराजित मनमोहक, चमत्कारी एवं मनोकामना पूर्ण करने वाले देवाधिदेव श्री शांतिनाथ भगवान का त्रय कल्याणक महोत्सव श्रद्धालुओं के लिए विशेष सौभाग्य का अवसर है। उन्होंने कहा कि शांतिनाथ भगवान की अतिशयकारी प्रतिमा के दर्शन मात्र से श्रद्धालुओं के कष्ट, संकट एवं विघ्न-बाधाएं दूर होती हैं तथा जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का संचार होता है। प्रबंध समिति के कोषाध्यक्ष मनीष जैन ने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे इस पावन अवसर पर शांतिधारा एवं धार्मिक आयोजनों में भाग लेकर अपने जीवन को धन्य बनाएं।

गुरु मां आर्यिका विज्ञा श्री का जीवन परिचय

प्रतीक जैन सेठी ने बताया कि भारत गौरव गणिनी आर्यिका रत्न 105 विज्ञा श्री माताजी का पूर्व नाम कुमारी अंकिता (चंद्रकुमारी) जैन है। आपके पिता का नाम अमरचंद जैन एवं माता का नाम श्रीमती गेंदाबाई जैन है। आपका जन्म 2 अगस्त 1972 को सावन वदी चतुर्दशी के शुभ अवसर पर गैसाबाद, दमोह (मध्यप्रदेश) में हुआ। आर्यिका श्री ने हायर सेकेंडरी तक शिक्षा प्राप्त की। परिवार में छह भाई एवं तीन बहनों के बीच पत्नी-बढ़ीं आर्यिका श्री ने 18 दिसंबर 1993 को श्रेयांसगिरि में ब्रह्मचर्य व्रत धारण किया। इसके पश्चात 26 फरवरी 1995 को आहारजी में परम पूज्य गणाचार्य विराग सागर महाराज के करकमलों द्वारा आर्यिका दीक्षा ग्रहण की। दीक्षा के बाद आपका नाम आर्यिका रत्न 105 विज्ञा श्री माताजी रखा गया। तत्वचर्चा, चिंतन-मनन, मौन एवं स्वाध्याय में विशेष रुचि रखने वाली आर्यिका श्री ने दीक्षा के बाद निरंतर विहार करते हुए गांव-गांव एवं शहर-शहर धर्म प्रचार किया। निवाई के समीप गुंसी ग्राम में सहस्त्रकूट विज्ञा तीर्थ अतिशय क्षेत्र का निर्माण कर टोंक जिले के श्रावकों को विशेष धार्मिक सौभाग्य प्रदान किया।

महावीर इंटरनेशनल वामा सागवाड़ा ने अंतरराष्ट्रीय मदर्स डे पर किए सेवा कार्य

सुरेश चंद्र गांधी, राजस्थान की रिपोर्ट

सागवाड़ा। अंतरराष्ट्रीय मदर्स डे के अवसर पर महावीर इंटरनेशनल वामा वीरा केंद्र, सागवाड़ा की वीराओं द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय चिकित्सालय के गायनिक वार्ड में विशेष सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वामा चेयरपर्सन वीरा तिलकनंदिनी शाह, गरिमा प्रोजेक्ट की जोन कन्वीनर वीरा धनकुंवर आजणियां, डेप्युटी डायरेक्टर वीरा प्रेरणा शाह, महिला सशक्तिकरण की जोन कन्वीनर वीरा नीलम सोमपुरा एवं प्रोजेक्ट प्रभारी वीरा प्रीति सरिया उपस्थित रहीं। इस अवसर पर चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं समर्पित सेवाएं दे रहे गायनाकोलॉजिस्ट डॉ. बी.एल. मीणा, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. इस्माईल दामडी, डॉ. चंद्रवीर परमार, डॉ. ज्योति परमार सहित नर्सिंग स्टाफ लक्ष्मी मीणा, स्नेहलता पंड्या, रेखा डामोर, वर्षा परमार, माया बामनिया, विनीता, भावना एवं यशोदा का तिलक, माल्यार्पण एवं पुष्प भेंट कर अभिनंदन किया गया। गायनिक वार्ड में भर्ती नवप्रसूता माताओं एवं उपस्थित महिलाओं को तिलक लगाकर फूल भेंट किए गए। साथ ही स्वच्छता के प्रति जागरूकता के लिए सेनेटरी नेपकिन एवं साबुन भी वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान सभी ने मदर्स डे पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मां का महत्व केवल एक दिन तक सीमित नहीं है, बल्कि मां के बिना हर दिन अधूरा है। मां के त्याग, प्रेम और सेवाओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए यह दिवस विशेष अवसर प्रदान करता है। इस दौरान मातृत्व की महिमा को दर्शाते हुए भावपूर्ण पंक्तियां भी प्रस्तुत की गईं। ''मुझे प्यार है अपने हाथों की सभी उंगलियों से, ना जाने कौन-सी उंगली पकड़कर मेरी मां ने मुझे चलना सिखाया होगा।''

''सब सुनते हैं धड़कन को दिल में, मां तो कोख में सुनती है।
शक्ल न आकार है कोई, फिर भी सपनों के फंदे बुनती है।''

जिनको नहीं है कुछ शर्म

जिनको नहीं है कुछ शर्म, वे ऐसा करते हैं,
समझते नहीं कुछ औरों को, बेजार करते हैं।
जिनको नहीं है कुछ शर्म...।।

उनको नहीं है फिक्र कोई, कमाने की ज़िंदगी में,
गर करते हैं काम कोई, सिर्फ सौदा ही करते हैं।
जिनको नहीं है कुछ शर्म...।।

उनको नहीं है फिक्र यह कि, मकान कैसे बना है,
मेहनत, पसीने और खून की कद्र नहीं करते हैं।
जिनको नहीं है कुछ शर्म...।।

वे जन्मे हैं महलों में, सोते मखमली फूलों पर,
गरीबी को वे क्या जानें, मजे ज़िंदगी में करते हैं।
जिनको नहीं है कुछ शर्म...।।

कभी नहीं मिली तालीम उनको वतनपरस्ती की,
अपने सुखों के लिए वे मुल्क नीलाम करते हैं।
जिनको नहीं है कुछ शर्म...।।

गुरुदीन वर्मा ''जी. आजाद''
शिक्षक एवं साहित्यकार
तहसील एवं जिला – बारां (राजस्थान)

महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा के बैनर तले साइबर सुरक्षा एवं महिला सशक्तिकरण पर जागरूकता कार्यक्रम

सुरेश चंद्र गांधी, नौगामा (जिला बांसवाड़ा, राजस्थान) की रिपोर्ट

नौगामा। महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा के तत्वावधान में राजकीय सीनियर बालिका विद्यालय, बागीदौरा में साइबर सुरक्षा एवं महिला सशक्तिकरण विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सीबीओ श्रीमती रेखा रोत, महावीर इंटरनेशनल शाखा अध्यक्ष सुरेश चंद्र गांधी, गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोटिया, प्रधानाचार्य मनोज जोशी, बालिका विद्यालय के प्रधानाचार्य लक्ष्मीनारायण पाटीदार, शारीरिक शिक्षक विनोद पानेरी एवं शाखा वीर सदस्य जगजीत कटारा की उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम में कालिका पेट्रोलिंग यूनिट, बांसवाड़ा में तैनात महिला कांस्टेबल रक्षा पाटीदार एवं नैना पाटीदार ने छात्राओं को महिला सुरक्षा, साइबर फ्रॉड एवं सरकारी हेल्पलाइन सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान छात्राओं को ''राजकॉप सिटिजन ऐप'' डाउनलोड करवाया गया तथा उसके उपयोग की जानकारी भी दी गई। महिला कांस्टेबलों ने साइबर ठगी से बचाव, सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग, ऑनलाइन धोखाधड़ी होने पर तुरंत की जाने वाली कार्रवाई एवं यातायात नियमों के पालन के बारे में जागरूक किया। साथ ही बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के प्रति भी छात्राओं को सजग रहने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी साझा की गई, जिनमें...

आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर : 112
चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर : 1098
गरिमा हेल्पलाइन नंबर : 1090
साइबर हेल्पलाइन नंबर : 1930

के बारे में विस्तार से जानकारी देकर छात्राओं को जागरूक किया गया। वक्ताओं ने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं को अपने अधिकारों, सुरक्षा उपायों एवं डिजिटल जागरूकता के प्रति सजग रहना चाहिए। राज्य सरकार एवं पुलिस मुख्यालय द्वारा महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए चलाए जा रहे अभियानों का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर और सुरक्षित बनाना है। कार्यक्रम का संचालन विनोद पानेरी द्वारा किया गया। अंत में विद्यालय परिवार एवं महावीर इंटरनेशनल शाखा की ओर से अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया।

27 बच्चों को गणवेश एवं उपहार देकर नियमित शिक्षा के लिए प्रेरित किया

35 बुजुर्गों को फलों के राजा आम की सेवा दी

शाबाश इंडिया

लायंस क्लब्स इंटरनेशनल 3233 ई-2 के सर्वप्रिय प्रांतपाल लायन रामकिशोर गर्ग द्वारा प्रांत को दिए गए प्रमुख कार्यक्रम ''आओ खुशियां बांटे'' के अंतर्गत एवं शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हरिभाऊ उपाध्याय विस्तार स्थित जय अम्बे सेवा समिति द्वारा संचालित विद्या मंदिर में सेवा कार्य आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा के साथ संस्कार ग्रहण करने हेतु केंद्र पर आने वाले जरूरतमंद परिवारों के 27 बच्चों को समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल, पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन मधु पाटनी, निदेशक लायन अर्पित जैन एवं लायन कृति जैन के सहयोग से उपहार स्वरूप गणवेश एवं आकर्षक गिफ्ट हैम्पर प्रदान किए गए। इसके साथ ही आश्रम में जीवन यापन कर रहे 35 अशक्त एवं बुजुर्ग व्यक्तियों के बीच फलों के राजा आम का वितरण कर सेवा भाव व्यक्त किया गया। क्लब अध्यक्ष लायन मुकेश कर्णावट ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक लायन अतुल पाटनी के संयोजन में आयोजित इस सेवा कार्य से कुल 62 बुजुर्ग एवं जरूरतमंद परिवारों के बच्चे लाभान्वित हुए। कार्यक्रम से पूर्व केंद्र पर पहुंचने पर व्यवस्थापक अनीत शर्मा द्वारा क्लब सदस्यों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर लायन अतुल पाटनी एवं लायन मधु पाटनी ने बुजुर्गों की कुशलक्षेम पूछकर उनका आशीर्वाद लिया तथा बच्चों को नियमित रूप से केंद्र पर आकर मन लगाकर शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया। सेवा कार्य के दौरान उपस्थित सदस्यों ने कहा कि समाज के जरूरतमंद वर्ग तक सहयोग पहुंचाना ही वास्तविक सेवा है और ऐसे प्रयास आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

डडूका में नरेगा श्रमिक बहनों को हाइजिन प्रोजेक्ट के तहत सेनेटरी नेपकिन वितरित

डडूका. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल डडूका द्वारा ''हाइजिन प्रोजेक्ट – चुप्पी छोड़ो, झिझक छोड़ो, खुलकर बोलो'' अभियान के तहत कपूरिया बस्ती, डडूका में नरेगा श्रमिक बहनों को सेनेटरी नेपकिन वितरित किए गए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत प्रशासिका रेखा महवाई रहीं। इस अवसर पर अध्यक्ष रणजीत सिंह सोलंकी, जिला कॉर्डिनेटर सुंदरलाल पटेल, गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया, विजयपाल गहलोत, प्रकाश भाई, नयनेश महवाई सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान 32 महिलाओं को सेनेटरी नेपकिन वितरित किए गए तथा महिला स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। ग्राम पंचायत प्रशासिका रेखा महवाई ने महावीर इंटरनेशनल डडूका द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के जागरूकता एवं स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम अन्य स्थानों पर कार्यरत श्रमिक महिलाओं के बीच भी आयोजित किए जाने चाहिए। इंटरनेशनल डायरेक्टर अजीत कोठिया ने इस कार्य के लिए स्वीकृति प्रदान करते हुए सभी से इस पुनीत सेवा कार्य में सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता समय की आवश्यकता है। अध्यक्ष रणजीत सिंह सोलंकी एवं सुंदरलाल पटेल ने उपस्थित महिलाओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की आवश्यकता होने पर महावीर इंटरनेशनल डडूका सदैव सहयोग के लिए तत्पर रहेगा। कार्यक्रम का संचालन अजीत कोठिया ने किया, जबकि आभार रेखा महावीर द्वारा व्यक्त किया गया।

कैट की अगुवाई में इंदौर के व्यापारिक नेतृत्व ने जीएसटी कमिश्नर से की मुलाकात

"करदाता व्यापारियों का सम्मान विभाग की पहली प्राथमिकता होगी"

इंदौर. शाबाश इंडिया

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के नेतृत्व में शहर के विभिन्न व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधिमंडल ने जीएसटी कमिश्नर अनय द्विवेदी से महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक जीएसटी कमिश्नर कार्यालय के कॉन्फ्रेंस रूम में आयोजित हुई, जिसमें व्यापारिक हितों एवं जीएसटी से जुड़ी जटिल समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कैट इंदौर अध्यक्ष मनीष बिसानी ने बताया कि बैठक में सियागंज, महारानी रोड, पेट्रोल पंप, न्यू सियागंज, अनाज मंडी, लोहा मंडी, ट्रांसपोर्ट, रेडीमेड, नमकीन एवं मिठाई, सराफा, कपड़ा मार्केट, टिंबर मार्केट, मालवा मिल, जेल रोड, एमटीएच कंपाउंड पेंट एसोसिएशन, दाल मिल एवं एफएमसीजी सहित 50 से अधिक व्यापारिक एसोसिएशनों के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

समस्याओं पर हुआ सीधा संवाद

बैठक में व्यापारियों ने जीएसटी से संबंधित 17 प्रमुख व्यावहारिक समस्याओं को कमिश्नर के समक्ष रखा। जीएसटी कमिश्नर अनय द्विवेदी, असिस्टेंट कमिश्नर आर.के. शर्मा एवं श्री चौबे ने व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और तकनीकी पहलुओं पर मार्गदर्शन प्रदान किया। कमिश्नर अनय द्विवेदी ने कहा कि विभाग व्यापार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा, "हम व्यापारियों के लिए पैनलाइजेशन नहीं, बल्कि रियलाइजेशन चाहते हैं।" उन्होंने यह भी कहा कि जो व्यापारी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्हें विभाग द्वारा सम्मानित किया जाएगा ताकि अन्य व्यापारी भी प्रेरित हों। उन्होंने जानकारी दी कि व्यापारियों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए वर्चुअल सुनवाई व्यवस्था प्रारंभ की जा चुकी है। साथ ही चेकपोस्ट पर ट्रक परिवहन के दौरान जीएसटी के नाम पर होने वाली परेशानियों को कम करने के लिए भी विभाग द्वारा सकारात्मक कदम उठाए गए हैं।

त्वरित समाधान का आश्वासन

विभाग की ओर से आश्वस्त किया गया कि स्थानीय स्तर की समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाएगा, जबकि नीतिगत मामलों को राज्य एवं केंद्र सरकार तक पहुंचाया जाएगा। कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रमेश गुप्ता ने भरोसा दिलाया कि दिल्ली एवं वित्त मंत्रालय स्तर की समस्याओं के समाधान हेतु वे स्वयं प्रयास करेंगे।

ऐलनाबाद की टॉपर बनी सलोनी

सीबीएसई 12वीं साइंस में हासिल किए 95.2 प्रतिशत अंक

रमेश भार्गव, शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद. शाबाश इंडिया। नचिकेतन मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने एक बार फिर शानदार परीक्षा परिणाम देकर पूरे क्षेत्र में अपनी श्रेष्ठता साबित की है। सीबीएसई कक्षा 12वीं विज्ञान संकाय के घोषित परीक्षा परिणाम में विद्यालय की प्रतिभाशाली छात्रा सलोनी ने 95.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर ऐलनाबाद क्षेत्र में टॉप स्थान हासिल किया है। इस शानदार उपलब्धि से विद्यालय, अभिभावकों

एवं पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। विद्यालय लगातार कई वर्षों से उत्कृष्ट बोर्ड परिणाम देकर शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करता आ रहा है। इस वर्ष भी विद्यालय ने बेहतरीन परिणाम देकर यह सिद्ध कर दिया कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन एवं विद्यार्थियों की मेहनत ही सफलता की वास्तविक पहचान है। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार सलोनी शुरू से ही मेहनती, अनुशासित एवं लक्ष्य के प्रति समर्पित छात्रा रही है। उसने नियमित अध्ययन, शिक्षकों के उचित मार्गदर्शन तथा माता-पिता के सहयोग से यह उपलब्धि हासिल की। सलोनी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने गुरुजनों, माता-पिता तथा विद्यालय के सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण को दिया। विद्यालय की डायरेक्टर वेद प्रिय गुप्ता, को-डायरेक्टर वेदमित्र गुप्ता, सचिव गुरमुख सिंह ढिल्लों एवं प्राचार्या सुजाता पारीक ने छात्रा की इस उल्लेखनीय सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि विद्यालय विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों एवं संस्कारों से जोड़ने का भी निरंतर प्रयास करता है। शिक्षकों ने कहा कि सलोनी की मेहनत, लगन और आत्मविश्वास अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। इस उपलब्धि के अवसर पर विद्यालय परिसर में उत्साह का माहौल रहा। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने मिठाइयां बांटकर खुशी का इजहार किया और सलोनी को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

पर्यावरण संरक्षण प्रोजेक्ट के तहत पंछियों के पेयजल प्रबंधन हेतु मिट्टी के सकोरे वितरित

परतापुर. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल गढ़ी-परतापुर केंद्र द्वारा पर्यावरण संरक्षण प्रोजेक्ट के अंतर्गत राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, परतापुर में पंछियों के पेयजल प्रबंधन हेतु मिट्टी के सकोरे वितरित किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य ममता मीणा ने की। मुख्य वक्ता रामभरत चेजारा एवं मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय निदेशक अजीत कोठिया रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में रामभरत चेजारा ने महावीर इंटरनेशनल द्वारा संचालित पर्यावरण संरक्षण परियोजनाओं की जानकारी साझा करते हुए पक्षियों एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि अजीत कोठिया ने सभी से अपील करते हुए कहा कि भीषण गर्मी के इस दौर में प्रत्येक व्यक्ति को अपने घर, आंगन एवं आसपास के स्थानों पर मिट्टी के सकोरों में पानी भरकर पक्षियों के लिए पेयजल की व्यवस्था करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह न केवल पर्यावरण संरक्षण का कार्य है, बल्कि जीवदया एवं पुण्य अर्जित करने का भी श्रेष्ठ माध्यम है। महावीर इंटरनेशनल गढ़ी-परतापुर केंद्र द्वारा इस ग्रीष्मकाल में अब तक 1000 मिट्टी के सकोरे वितरित किए जा चुके हैं। संस्था का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोड़कर पक्षियों के संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम का संचालन कल्पना द्विवेदी ने किया। आयोजन में कुसुम कोठिया, शीतल शाह, चांदनी चरपोटा, हण्तोक ताबियार, प्रियंका पाटीदार, हीना जोशी, निर्मला आमेटा सहित कई सदस्यों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

प्रमाद सबसे बड़ा पाप है, इसमें पांचों पाप समाहित हैं: आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

आवश्यकता से अधिक धन और साधनों का उपयोग धर्म, सेवा और लोककल्याण में करना चाहिए। संतोष, त्याग और इच्छाओं पर नियंत्रण ही धर्म का वास्तविक मार्ग है। अंत में आचार्य श्री ने स्वाध्याय का महत्व बताते हुए कहा कि धार्मिक पुस्तकों का अध्ययन जीवन में जागरूकता और आत्मचिंतन को बढ़ाता है...

इंदौर. शाबाश इंडिया। चंद्रपुरी, बड़ के बालाजी में आयोजित प्रातःकालीन पाठशाला में आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने जीवन से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण बातों को सरल एवं सहज भाषा में समझाया। उन्होंने कहा कि जो कार्य आत्मा का पतन करे, धर्म से दूर ले जाए और अशुभ परिणाम उत्पन्न करे, वही पाप कहलाता है। धर्म आत्मा की रक्षा करता है, इसलिए जो हमें धर्म से हटाए, वह पाप है। आचार्य श्री ने कहा कि हिंसा, झूठ, चोरी, कुशील (असंयम) और परिग्रह पांच प्रमुख पाप हैं। गृहस्थ जीवन में अनजाने में सूक्ष्म जीवों की हिंसा हो जाती है, लेकिन सजगता और संयम से उसे कम किया जा सकता है। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि ''प्रमाद सबसे बड़ा पाप है'', क्योंकि प्रमाद से ही पांचों पाप उत्पन्न होते हैं। उन्होंने बताया कि चींटी, मच्छर, दीमक जैसे छोटे जीवों में भी आत्मा होती है। आत्मा शरीर के अनुसार संकुचित या विस्तृत हो सकती है, लेकिन उसका अस्तित्व सभी जीवों में समान रहता है। इसलिए प्रत्येक जीव के प्रति दया और सावधानी का भाव रखना आवश्यक है। आचार्य श्री ने आत्महत्या के विचार को भी अत्यंत घोर पाप बताया। उन्होंने कहा कि आत्मा कभी नष्ट नहीं होती, केवल शरीर नष्ट होता है। दुःख, क्रोध या निराशा में ''मर जाना ही अच्छा है'' जैसे विचार भी अशुभ कर्मबंध का कारण बनते हैं। मनुष्य को विपरीत परिस्थितियों में धैर्य और सहनशक्ति बनाए रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मन, वचन और काया – तीनों से कर्मबंध होता है। केवल गलत कार्य करने से ही नहीं, बल्कि मन में बुरे विचार आने से भी कर्म बंधते हैं। झूठ के विषय में उन्होंने बताया कि भय, स्वार्थ या बात छिपाने के कारण मनुष्य असत्य बोलता है, जबकि एक झूठ को छिपाने के लिए अनेक झूठ बोलने पड़ते हैं। चोरी का अर्थ समझाते हुए आचार्य श्री ने कहा कि बिना अनुमति किसी वस्तु को अपना मान लेना चोरी है। यदि कोई वस्तु गिरी हुई मिले और उसे अपने पास रख लिया जाए, तो वह भी चोरी की श्रेणी में आता है। परिग्रह पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि आवश्यकता से अधिक वस्तुओं का संग्रह करना परिग्रह है। गृहस्थ जीवन में वस्तुएं रखना गलत नहीं, लेकिन उनकी सीमा होना आवश्यक है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि लोग अत्यधिक धन, मकान और संपत्ति इकट्ठा करते जाते हैं, जबकि वास्तविक उपयोग बहुत सीमित होता है। उन्होंने कहा कि आवश्यकता से अधिक धन और साधनों का उपयोग धर्म, सेवा और लोककल्याण में करना चाहिए। संतोष, त्याग और इच्छाओं पर नियंत्रण ही धर्म का वास्तविक मार्ग है। अंत में आचार्य श्री ने स्वाध्याय का महत्व बताते हुए कहा कि धार्मिक पुस्तकों का अध्ययन जीवन में जागरूकता और आत्मचिंतन को बढ़ाता है। राजेश पंचोलिया, सुरेश सबलावत एवं भागचंद चुड़ीवाल के अनुसार बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आचार्य श्री के प्रवचनों का लाभ प्राप्त किया। – **राजेश पंचोलिया, इंदौर**

नवीन जिनालय का भव्य एवं भक्तिमय शिलान्यास संपन्न

मुकेश जैन लार, टीकमगढ़

टीकमगढ़. शाबाश इंडिया। इन्द्रपुरी कॉलोनी, टीकमगढ़ में दो दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान परम पूज्य पट्टाचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य श्री 108 समत्व सागर महाराज ससंघ के मंगलमय सानिध्य में विधि-विधान एवं भक्तिभाव के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर नवीन जिनालय (जैन मंदिर) निर्माण हेतु 12 मई को प्रथम खात का कार्यक्रम चौधरी पवन कुमार जैन लार परिवार द्वारा सम्पन्न किया गया। वहीं द्वितीय दिवस 13 मई 2026 को भव्य जिनालय का मंगल शिलान्यास श्रीमती वेनीबाई मातेश्वरी, पवन कुमार जैन लार, दुहिता समीक्षा, निहित, समिधा, पौत्री त्रिशा सहित समस्त चौधरी परिवार द्वारा किया गया। धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनिश्री ने कहा कि नवीन जिनालयों का निर्माण निरंतर होता रहना चाहिए। भगवान को संस्कारित करते-करते मनुष्य स्वयं भी भगवान बनने की ओर अग्रसर होता है। उन्होंने कहा कि यदि मंदिर के बीच की दीवार टूट जाए तो मंदिर एक ही रहता है, उसी प्रकार मनुष्य को अपने भीतर की राग, द्वेष, मान और माया की दीवारों को भी तोड़ना होगा। मुनिश्री ने यह भी कहा कि मंदिर निर्माण के साथ-साथ पाठशाला का नियमित संचालन भी अत्यंत आवश्यक है, ताकि नई पीढ़ी धर्म और संस्कारों से जुड़ी रहे। कार्यक्रम के दौरान ध्वजारोहण का सौभाग्य चौधरी पवन जैन लार परिवार को प्राप्त हुआ। आयोजन में आगरा एवं जयपुर से पधारे गुरुभक्तों सहित इन्द्रपुरी कॉलोनीवासी एवं टीकमगढ़ जैन समाज के बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर '**शाबाश इंडिया**' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतु का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

शाश्वत तीर्थ अयोध्या में

भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी की चिंतन बैठक सम्पन्न

शतकोत्तर रजत स्थापना वर्ष को भव्य एवं व्यापक स्तर पर मनाने की बनी रूपरेखा

अयोध्या. शाबाश इंडिया

शाश्वत तीर्थ अयोध्या स्थित भगवान ऋषभदेव जन्मभूमि दिगम्बर जैन मंदिर, बड़ी मूर्ति, रायगंज में 10 मई को भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी की चिंतन बैठक परम पूज्य गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी ससंघ के पावन सान्निध्य में सम्पन्न हुई। बैठक में तीर्थक्षेत्र कमेटी के शतकोत्तर रजत स्थापना वर्ष को प्रभावशाली एवं व्यापक स्तर पर मनाने की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक का शुभारंभ प्रतिष्ठाचार्य एवं उत्तरप्रदेश-उत्तरांचल तीर्थक्षेत्र कमेटी के मंत्री विजय कुमार जैन के मंगलाचरण से हुआ। इसके पश्चात राष्ट्रीय अध्यक्ष जम्बू प्रसाद जैन, महामंत्री संतोष पेंढ़ारी, कोषाध्यक्ष अशोक दोशी एवं विभिन्न प्रांतों के वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष जम्बू प्रसाद जैन ने तीर्थक्षेत्र कमेटी के 125वें स्थापना वर्ष के अवसर पर आयोजित होने वाले विविध कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। वहीं शतकोत्तर रजत जयंती वर्ष समिति के चेयरमैन जवाहरलाल जैन ने अनेक महत्वपूर्ण योजनाओं का सुझाव देते हुए आयोजन को भव्य एवं प्रभावशाली बनाने पर जोर दिया। राष्ट्रीय मंत्री हसमुख गांधी ने एक विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत करते हुए बताया कि प्रांतीय, क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारी किस प्रकार इस आयोजन को सफल बना सकते हैं। मध्यप्रदेश अंचल के अध्यक्ष डी.के. जैन ने मध्यप्रदेश में कार्यक्रमों के आयोजन को लेकर अपने विचार रखे। डॉ. जीवन प्रकाश जैन ने ''तीर्थ चक्रवर्ती'' योजना की जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के अंतर्गत एक लाख रुपये की राशि निर्धारित की गई है, जिसके माध्यम से अधिकाधिक लोगों को तीर्थक्षेत्र कमेटी से जोड़ा जाएगा। शतकोत्तर रजत जयंती वर्ष समिति के चेयरमैन प्रदीप जैन (पीएनसी, आगरा) ने आयोजन में सहभागिता और विभिन्न जिम्मेदारियों के समायोजन को लेकर अपने विचार रखे। महामंत्री संतोष पेंढ़ारी ने भी कार्यक्रम को प्रभावशाली बनाने हेतु विभिन्न बिंदुओं पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर टी. कैतनगर महिला मंडल द्वारा सुंदर भक्ति नृत्य की प्रस्तुति दी गई। उत्तरप्रदेश संयोजक आदीश जैन सर्राफ एवं संजीव जैन (जैन प्लास्टिक, लखनऊ) ने भी तीर्थक्षेत्र कमेटी के कार्यों की सराहना करते हुए समाज को अधिकाधिक जुड़ने का आह्वान किया। गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी ने अपने आशीर्वचन में कहा कि प्रत्येक कमेटी में अंतरंग परिषद, बाह्य परिषद एवं सामाजिक परिषद का गठन होना चाहिए। उन्होंने प्राचीन तीर्थों के संरक्षण, संवर्धन एवं विकास के लिए योजनाबद्ध कार्य करने का आह्वान किया। प्रज्ञाश्रमणी आर्यिकारत्न श्री चंदनामती माताजी ने भी कार्यकर्ताओं को मंगल उद्बोधन प्रदान किया। वहीं अयोध्या तीर्थक्षेत्र के पीठाधीश स्वस्तिश्री रवीन्द्रकीर्ति स्वामीजी ने कहा कि यह कार्यक्रम ऐसा होना चाहिए, जिसे आने वाली पीढ़ियां भी याद रखें। उन्होंने 1989 में दिल्ली के लालकिला मैदान में आयोजित ऐतिहासिक अधिवेशन का उल्लेख करते हुए इसी प्रकार भव्य आयोजन की आवश्यकता बताई। जानकारी के अनुसार कार्यक्रम का उद्घाटन 22 एवं 23 अक्टूबर 2026 को मथुरा चौरासी में किया जाएगा, जिसके बाद पूरे देश में एक वर्ष तक विभिन्न आयोजन होंगे। अंत में अयोध्या तीर्थक्षेत्र कमेटी के मंत्री विजय कुमार जैन के अनुसार विनोद बाकलीवाल द्वारा आभार व्यक्त किया गया। बैठक में संजय जैन पापड़ीवाल, प्रद्युम्न जैन, सुनील जैन सर्राफ, मनोज जैन, राकेश जैन, सुनयना जैन, मीनू जैन, रमाकांत जैन, वीरेश जैन सेठ, राजकुमार जैन कोठारी, संजय जैन ठोलिया, प्रशांत जैन, हेमचंद जैन, संदेश जैन, डॉ. अनुपम जैन, संजीव जैन सर्राफ सहित देशभर से अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं समाजजन उपस्थित रहे।

प्रेषक : उदयभान जैन, जयपुर
मो. : 94143-06696

उपस्थित प्रमुखजन

संजय जैन पापड़ीवाल, प्रद्युम्न जैन, सुनील जैन सर्राफ, मनोज जैन, राकेश जैन, सुनयना जैन, मीनू जैन, रमाकांत जैन, वीरेश जैन सेठ, राजकुमार जैन कोठारी, संजय जैन ठोलिया, प्रशांत जैन, हेमचंद जैन, संदेश जैन, डॉ. अनुपम जैन, संजीव जैन सर्राफ सहित देशभर से अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं समाजजन उपस्थित रहे।

प्रेषक : उदयभान जैन, जयपुर
मो. : 94143-06696

महिला जैन मिलन का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

गढ़ाकोटा. शाबाश इंडिया। महिला जैन मिलन, गढ़ाकोटा का शपथ ग्रहण समारोह अतिशय क्षेत्र पटेरिया जी, गढ़ाकोटा में राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अतिवीर कमलेन्द्र जैन की मुख्य उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान महावीर स्वामी के चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन एवं महावीर प्रार्थना के साथ हुआ। मिष्ठी जैन एवं ऐनी जैन द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया। मंगलाचरण के पश्चात मंचासीन अतिथियों का तिलक, माला, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर निर्वाचित अध्यक्ष वीरांगना अंजलि जैन, मंत्री वीरांगना सविता जैन सिंघई, कोषाध्यक्ष वीरांगना अभिलाषा जैन, प्रचार मंत्री वीरांगना सविता जैन, उपाध्यक्ष सुनीता सेठ, सह सचिव सारिका जैन एवं भक्तामर सचिव पवन जैन को क्षेत्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय जैन शक्कर द्वारा शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में क्षेत्रीय मंत्री जिनेश जैन बहरोल एवं क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मनीष विद्यार्थी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके अलावा गढ़ाकोटा जैन समाज के अध्यक्ष विमल जैन, मंत्री महेंद्र जैन, सुशील पटवारी, राकेश जैन, दीपक सिंघई, दीपक जैन सहित विभिन्न महिला मंडलों के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन क्षेत्रीय चेयरपर्सन मंजू जैन सेठ द्वारा किया गया। इसी क्रम में जैन मिलन प्रश्नावली के विजेताओं को सम्मानित किया गया तथा नवीन पदाधिकारियों द्वारा पूर्व पदाधिकारियों को उपहार भेंट कर सम्मान प्रदान किया गया। पटेरिया जी में आयोजित पंचकल्याणक महामहोत्सव में महापात्र के रूप में शामिल हुई वीरांगनाओं का भी सम्मान किया गया। पूर्व अध्यक्ष संगीता जैन ने सत्र समापन अवसर पर अपनी टीम को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया तथा नवीन कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दीं। क्षेत्रीय मंत्री के रूप में नियुक्ति पर जिनेश जैन बहरोल का शाखा की ओर से अभिनंदन किया गया। उन्होंने सभी वीरांगनाओं को सफल सत्र संचालन हेतु शुभकामनाएं दीं। वहीं मनीष विद्यार्थी ने शाखा द्वारा किए जा रहे कार्यों के प्रचार-प्रसार पर जोर देते हुए मासिक पत्रिका एवं ''मिलन संदेश'' में गतिविधियों की जानकारी भेजने के लिए प्रेरित किया। सुशील पटवारी ने महिला जैन मिलन की वीरांगनाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके कार्य समाज को नई दिशा प्रदान कर रहे हैं। कार्यक्रम में सुलोचना जैन, अर्चना जैन, सुनीता शाह, मनी जैन, मंजू बांझल, सोनल जैन, रश्मि जैन, साधना जैन, अंशु जैन सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे। अंत में पंच परमेष्ठी स्तुति के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ तथा सभी ने सुस्वादु भोजन का आनंद लिया।

पूर्व अध्यक्ष संगीता जैन ने सत्र समापन अवसर पर अपनी टीम को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया तथा नवीन कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दीं। क्षेत्रीय मंत्री के रूप में नियुक्ति पर जिनेश जैन बहरोल का शाखा की ओर से अभिनंदन किया गया। उन्होंने सभी वीरांगनाओं को सफल सत्र संचालन हेतु शुभकामनाएं दीं।

-मनीष जैन विद्यार्थी

''भक्ति ही जीवन का सच्चा मार्ग'': आचार्य श्री प्रज्ञा सागर जी महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आज परम पूज्य आचार्य श्री प्रज्ञा सागर जी महाराज ने अपने प्रेरणादायी प्रवचन में कहा कि व्यक्ति को जीवन में अहंकार त्यागकर सेवा, प्रेम और भक्ति का मार्ग अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में मानसिक शांति का एकमात्र उपाय ईश्वर चिंतन और सत्संग है। महाराज श्री के प्रवचन सुनने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। मंदिर अध्यक्ष प्रेम कुमार जैन एवं महामंत्री जगदीश जैन ने बताया कि प्रवचन से पूर्व चित्र अनावरण एवं पाद प्रक्षालन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रचार मंत्री आशीष बैद ने जानकारी दी कि शुक्रवार, 15 मई 2026 को प्रातः 7:00 बजे शांतिनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक के उपलक्ष्य में निर्वाण लड्डू एवं पंचामृत अभिषेक का आयोजन आचार्य श्री 108 प्रज्ञा सागर जी महाराज के मुखारविंद से किया जाएगा।

कठपुतली नगर कच्ची बस्ती की दो बहनों का सेवाभावी लोगों ने किया कन्यादान

सभी ने आवश्यकतानुसार सहयोग निभाकर किया पुण्य कार्य

जयपुर. शाबाश इंडिया

ज्योति नगर स्थित कठपुतली नगर कच्ची बस्ती की दो असहाय बहनों का विवाह समाजसेवियों, दानदाताओं एवं बस्तीवासियों के सहयोग से सादगी एवं श्रद्धाभाव के साथ संपन्न कराया गया। सभी ने मिलकर कन्यादान कर मानवता और सेवा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। विवाह समारोह में दोनों बहनों की शादी की सभी रस्में विधिवत सम्पन्न कराई गईं। साथ ही नवविवाहित जोड़ों को आवश्यक घरेलू सामग्री भी भेंट की गई। आयोजन के दौरान वर-वधु पक्ष के सभी अतिथियों के लिए भोजन एवं आदर-सत्कार की समुचित व्यवस्था की गई। विवाह उपरांत दोनों बहनों को भावुक माहौल में सादगी के साथ विदा किया गया। श्याम सेवा संस्थान के डायरेक्टर एवं कठपुतली नगर विकास समिति के अध्यक्ष डॉ. ओपी टांक ने इस पुण्य कार्य को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा हरसंभव सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर समग्र सेवा मिशन के डायरेक्टर एवं एडिशनल एसपी सिद्धांत शर्मा, जयपुर नगर निगम सफाई समिति के पूर्व चेयरमैन एवं वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल शर्मा, माया बड़ोदरा, रतन, हर्ष गोयल, विजेंद्र परेवा, रमेश सिंह, एडवोकेट पूजा शर्मा, जीडीआरएफ की प्रदेश अध्यक्ष अर्पणा शर्मा, सत्यनारायण साहू, डॉ. अभिनव शर्मा एडवोकेट, अशोक शर्मा एवं विनोद भाट सहित अनेक समाजसेवियों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। डॉ. ओपी टांक ने सभी आगंतुकों एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समग्र सेवा मिशन द्वारा इस प्रकार के सामाजिक एवं सेवा कार्य समय-समय पर निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रहित एवं समाजसेवा के कार्यों में संस्था के सभी कार्यकर्ता सदैव एकजुट होकर अग्रणी भूमिका निभाते रहेंगे।

गौरवपूर्ण उपलब्धि

नंदिता जैन

ने किया परिवार और समाज का नाम रोशन

दिगंबर जैन महासमिति महिला अंचल राजस्थान के सम्माननीय सदस्य श्री निर्देश जैन एवं श्रीमती मोना जैन की सुपुत्री कु. नंदिता जैन ने कक्षा 12वीं (कॉमर्स संकाय) में

98% अंक प्राप्त कर प्रथम रैंक

हासिल करते हुए परिवार, समाज एवं समस्त जैन समाज का नाम गौरवान्वित किया है।

कु. नंदिता जैन ने अपनी मेहनत, लगन एवं प्रतिभा के बल पर टॉप-5 सुची में स्थान प्राप्त कर उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है।

उनकी यह उपलब्धि न केवल उनके उज्ज्वल भविष्य का संकेत है, बल्कि अन्य विधार्थियों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत है।

दिगंबर जैन महासमिति परिवार की ओर से कु. नंदिता जैन को इस शानदार सफलता पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं!

कु. नंदिता जैन

कक्षा 12वीं (कॉमर्स संकाय)

प्राप्तांक 98% प्रथम रैंक

"हम आपके उज्ज्वल, सफल एवं मंगलमय भविष्य की कामना करते हैं।"

शुभेच्छु दिगंबर जैन महासमिति महिला अंचल, राजस्थान

धर्म, विनय और सदाचार जीवन के अभिन्न अंग: जिनदेवी माताजी

जयपुर. शाबाश इंडिया। आचार्य रत्न बाहुबली महाराज की पट्टशिष्या गणिनीप्रमुख आर्यिकारत्न जिनदेवी माताजी ससंघ इन दिनों आगरा रोड स्थित खानिया की राणाजी की नसियां में विराजमान हैं। बुधवार को नसियां जी में आयोजित धर्मसभा में माताजी ने अपने प्रवचनों में कहा कि संसार में जीव के आगे बढ़ने और कल्याण के मार्ग पर चलने का वास्तविक आधार धर्म और सदाचार हैं। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक दृष्टि से जीव के वास्तविक 'चरण' सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चरित्र हैं।

सम्यक दर्शन: सही श्रद्धा एवं सत्य में विश्वास
सम्यक ज्ञान: सही ज्ञान और विवेक
सम्यक चरित्र: उत्तम आचरण एवं संयम

माताजी ने कहा कि जैसे शरीर पैरों के बिना नहीं चल सकता, वैसे ही जीव धर्म, ज्ञान और चरित्र के बिना कल्याण के मार्ग पर आगे नहीं बढ़ सकता। उन्होंने कहा कि यह संसार मोह, माया और आकर्षणों से भरा हुआ है तथा जीव अनेक जन्मों से इसमें भटक रहा है। यदि उसे सही दिशा प्राप्त करनी है, तो उसे धर्म के चरणों को अपनाना होगा। गुरु का मार्गदर्शन, शास्त्रों का ज्ञान और संयमपूर्ण आचरण ही जीव को संसार-सागर से पार कराने की शक्ति प्रदान करते हैं।

प्रवचन के दौरान माताजी ने कहा

"ज्ञान बिना गति नहीं, धर्म बिना शांति नहीं,
और चरित्र बिना मुक्ति नहीं।"

उन्होंने सभी से अपने जीवन में धर्म, विनय एवं सदाचार को अपनाने का संदेश दिया। धर्मसभा का समापन जिनवाणी स्तुति के साथ हुआ। विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि प्रातःकाल मूलनायक भगवान वासुपूज्य भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा सम्पन्न हुई। इसके पश्चात धर्मसभा के प्रारंभ में चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन किया गया।

मुनि विनम्र सागर महाराज पहुंचे सूर्य नगर के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, श्रद्धालुओं ने लिया मंगल आशीर्वाद

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर महाराज एवं नवाचार्य समय सागर महाराज के शिष्य मुनि विनम्र सागर महाराज ससंघ (3 पिच्छीका) का तारों की कूट स्थित सूर्य नगर के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। मुनि संघ के आगमन से पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में रंग गया। मंदिर समिति के अध्यक्ष नवीन छाबड़ा एवं महामंत्री धनेश सेठी ने बताया कि मुनि संघ सांगानेर स्थित संघीजी दिगम्बर जैन मंदिर से मंगल विहार करते हुए टोंक रोड मार्ग से सूर्य नगर स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पहुंचे, जहां श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा एवं जयघोष के साथ भव्य अगवानी की। बुधवार प्रातः मंदिर दर्शन एवं अभिषेक के पश्चात आयोजित धर्मसभा में मुनि श्री ने मंगल प्रवचन प्रदान किए। प्रवचन में उन्होंने आचार्य विद्यासागर महाराज के संस्मरण सुनाते हुए कहा कि जीवन में किसी भी व्यक्ति के प्रति नकारात्मकता नहीं रखनी चाहिए, चाहे वह व्यक्ति विरोधी ही क्यों न हो। उन्होंने कहा कि स्वाध्याय एवं आत्मचिंतन को जीवन में विशेष महत्व देना चाहिए। इससे मन की नकारात्मकता समाप्त होती है और व्यक्ति का दृष्टिकोण सकारात्मक बनता है। मुनि श्री ने युवाओं से धर्म के क्षेत्र में आगे आने का आह्वान करते हुए कहा कि सदैव अपने से बड़ों का आदर करना चाहिए। श्रद्धा, भक्ति, विश्वास और समर्पण ही जीवन में सफलता के आधार हैं। धर्मसभा का समापन जिनवाणी स्तुति के साथ हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर मुनि संघ का आशीर्वाद प्राप्त किया। मंच संचालन महामंत्री धनेश सेठी ने किया। प्रातः 10 बजे आहारचर्या के पश्चात सामायिक एवं शास्त्र चर्चा के आयोजन भी हुए। इस अवसर पर राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, पारस कासलीवाल, मनोज ठोलिया, अभय लुहाड़िया, अरविंद जैन, मुकेश चांदवाड़, पुष्पेंद्र काला सहित अनेक समाजश्रेष्ठियों ने मुनि संघ का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान नैनवा जैन समाज से आए श्रद्धालुओं ने श्रीफल भेंट कर मुनि संघ से चातुर्मास हेतु निवेदन भी किया। विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि सायंकाल शंका समाधान एवं गुरु भक्ति के कार्यक्रम आयोजित हुए। गुरुवार, 14 मई को प्रातः अभिषेक एवं शांतिधारा के बाद धर्मसभा आयोजित होगी, जिसमें मुनि संघ के मंगल प्रवचन होंगे। – **विनोद जैन कोटखावदा**

युवा परिषद परिवार का स्वर्ण जयंती दीक्षापथ कार्यक्रम सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद, प्रतापनगर सम्भाग के तत्वावधान में प्रतापनगर सेक्टर-10 स्थित मोहनलाल चंद्रावती चैरिटेबल ट्रस्ट भवन में युवा परिषद का 50वां स्वर्ण जयंती महोत्सव बड़े उत्साह एवं श्रद्धाभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर परम प्रभावक राष्ट्र गौरव आर्यिका शिरोमणि 105 ज्ञानमती माताजी के वैराग्य एवं दीक्षापथ पर आधारित जीवन प्रसंगों का भव्य नाट्य मंचन प्रस्तुत किया गया, जिसे श्रद्धालुओं ने भावविभोर होकर देखा। सम्भाग अध्यक्ष अनिल पाटनी ने बताया कि अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद की स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने की खुशी को ''ऋषभदेव नगरी'' की थीम पर स्वर्णिम उत्सव के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ, जिसका सौभाग्य समाजरत्न सुनील-मुनिया सोगानी

परिवार (वर्धमान सरोवर) को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अध्यक्ष अनिल पाटनी ने बताया कि गुरुमां ज्ञानमती माताजी के जन्म से लेकर वैराग्य एवं दीक्षा तक के जीवन प्रसंगों को सजीव नाटिका के माध्यम से अत्यंत प्रभावशाली ढंग से मंचित किया गया। इस अवसर पर डॉ. राजीव जैन (पूर्व एमडी, सरस डेयरी)-अंजू जैन, राजस्थान जैन सभा के महामंत्री मनीष वैद, भाजपा श्योपुर प्रतापनगर इकाई के युवा महामंत्री राजेंद्र सोगानी, सामूहिक जिनेंद्र आराधना संस्था के महामंत्री धीरज पाटनी, निर्मल जैन, शगुन जैन, अजित जैन, अशोक जैन नेता, भागचंद-कांता देवी पाटनी, युवा परिषद के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री दिलीप जैन, प्रदेश महामंत्री विमल जैन बज, राजस्थान जैन युवा महासभा दक्षिण सम्भाग अध्यक्ष चेतन-मीनू जैन निमोड़िया, जिनेंद्र जैन जीतू, राजूलाल जैन पलई एवं अमित जैन केकड़ी सहित अनेक समाजश्रेष्ठी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान ''सेवापथ पुरोधा योद्धा'' सम्मान से युवा परिषद के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री दिलीप जैन को सम्मानित किया गया। वहीं समाजश्रेष्ठी विनोद जैन कोटखावदा को युवा परिषद परिवार प्रतापनगर सम्भाग की ओर से ''सेवापथ शिरोमणि'' सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम में फूलों की होली, धार्मिक एवं देशभक्ति गीतों पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आकर्षण का केंद्र रहीं। मानव सेवा एवं पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ बेजुबान पक्षियों की प्यास बुझाने हेतु सदस्यों को परिंडे भी वितरित किए गए। अंत में संयुक्त मंत्री सर्वेश पाटनी (रेलवे), रूपाहेड़ी वाले ने सभी उपस्थित अतिथियों एवं सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

मोबाइल कैमरे से सृजन की नई उड़ान

राजकीय महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज, जयपुर में फोटोग्राफी कार्यशाला आयोजित

उदयपुर/जयपुर. शाबाश इंडिया

गांधी सर्कल स्थित राजकीय महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज, जयपुर में हाल ही कॉमर्शियल आर्ट विभाग की छात्राओं एवं स्टाफ सदस्यों के लिए आयोजित एक दिवसीय फोटोग्राफी कार्यशाला ज्ञान, रचनात्मकता और उत्साह का प्रेरक संगम बन गई। कार्यशाला में उदयपुर से पधारे वरिष्ठ फोटो पत्रकार राकेश शर्मा ''राजदीप'' ने प्रतिभागियों को फोटोग्राफी की बारीकियों से अवगत कराया। राजदीप ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि फोटोग्राफी केवल कैमरा चलाने की कला नहीं, बल्कि दृष्टि, संवेदना और सही समय पर सही क्षण को कैद करने की क्षमता है। उन्होंने छात्राओं को प्रकाश, एंगल, फ्रेमिंग, कम्पोजिशन, बैकग्राउंड चयन एवं विषय-वस्तु की समझ जैसे महत्वपूर्ण आधारभूत सिद्धांत सरल एवं सहज भाषा में समझाए। कार्यशाला का विशेष आकर्षण मोबाइल कैमरे से बेहतर फोटोग्राफी पर केंद्रित सत्र रहा। उन्होंने बताया कि आज के दौर में स्मार्टफोन कैमरा भी प्रभावी माध्यम बन चुका है, यदि उसका सही तरीके से उपयोग किया जाए। इस दौरान छात्राओं को मोबाइल कैमरे की सेटिंग्स, फोकस, नैचुरल लाइट, पोर्ट्रेट मोड, स्टोरीटेलिंग एवं एडिटिंग से जुड़े व्यावहारिक सुझाव दिए गए। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं के लिए ''ऑन द स्पॉट फोटो कॉन्टेस्ट'' भी आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मक सोच एवं हुनर का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में पूर्वी बंसल, कुनिका शुक्ला, प्रिशा राय, भूमिका शर्मा, नुपूर सावनानी, काजल शर्मा, हिया खंडेलवाल एवं दिव्यांका शर्मा विजेता रहीं। विशेषज्ञ द्वारा विजेताओं को पुरस्कृत किया गया तथा कॉलेज परिवार ने उनका उत्साहवर्धन करते हुए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष संजुक्ता, डॉ. सुरेंद्र सोनी, अनुराग व्यास, पूनम झींझा (प्रवक्ता) एवं मंजू शर्मा (प्राविधिविज्ञ) सहित विभाग के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यशाला ने छात्राओं में फोटोग्राफी के प्रति नई ऊर्जा, रचनात्मक सोच और आत्मविश्वास का संचार किया।

रिपोर्ट/फोटो : डॉ. सुरेंद्र सोनी

इमैजिनियर्स कॉन्फ्लुएंस-2026

सीजन-4 में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

जयपुर. शाबाश इंडिया। मेयो कॉलेज जनरल काउंसिल, अजमेर के समन्वय से संचालित मयूर स्कूल, जयपुर द्वारा अंतर-विद्यालयीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियंत्रण एवं गणित आधारित प्रतियोगिता ''इमैजिनियर्स कॉन्फ्लुएंस-2026 : सीजन-4'' का आयोजन किया गया। नवाचार और रचनात्मकता से परिपूर्ण इस प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी वैज्ञानिक सोच, रचनात्मक दृष्टि एवं समस्या समाधान क्षमता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में देशभर के 20 से अधिक प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों ने सहभागिता की। इनमें 15 विद्यालयों ने प्रत्यक्ष रूप से तथा 5 विद्यालयों ने ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। ऑनलाइन सहभागिता में विद्यालय के सहयोगी संस्थान रोजरी प्राइवेट स्कूल, शारजाह एवं मयूर स्कूल, अबू धाबी की भागीदारी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। विद्यालय गत चार वर्षों से लगातार इस प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों को सीमित संसाधनों के माध्यम से अभिनव मॉडल एवं उपयोगी समाधान तैयार करने की चुनौती दी गई, जिसे विद्यार्थियों ने अत्यंत कुशलता और रचनात्मक दृष्टिकोण के साथ पूरा किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य अजी कुमार ने कहा कि वर्तमान समय में विद्यार्थियों के लिए केवल ज्ञान अर्जित करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि रचनात्मक सोच, विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण एवं व्यावहारिक समाधान विकसित करना भी अत्यंत आवश्यक है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं। विद्यालय के निदेशक नमन कंदोई ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि नवाचार ही भविष्य की वास्तविक शक्ति है। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर प्रयोग करने, नए विचार अपनाने तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित किया।

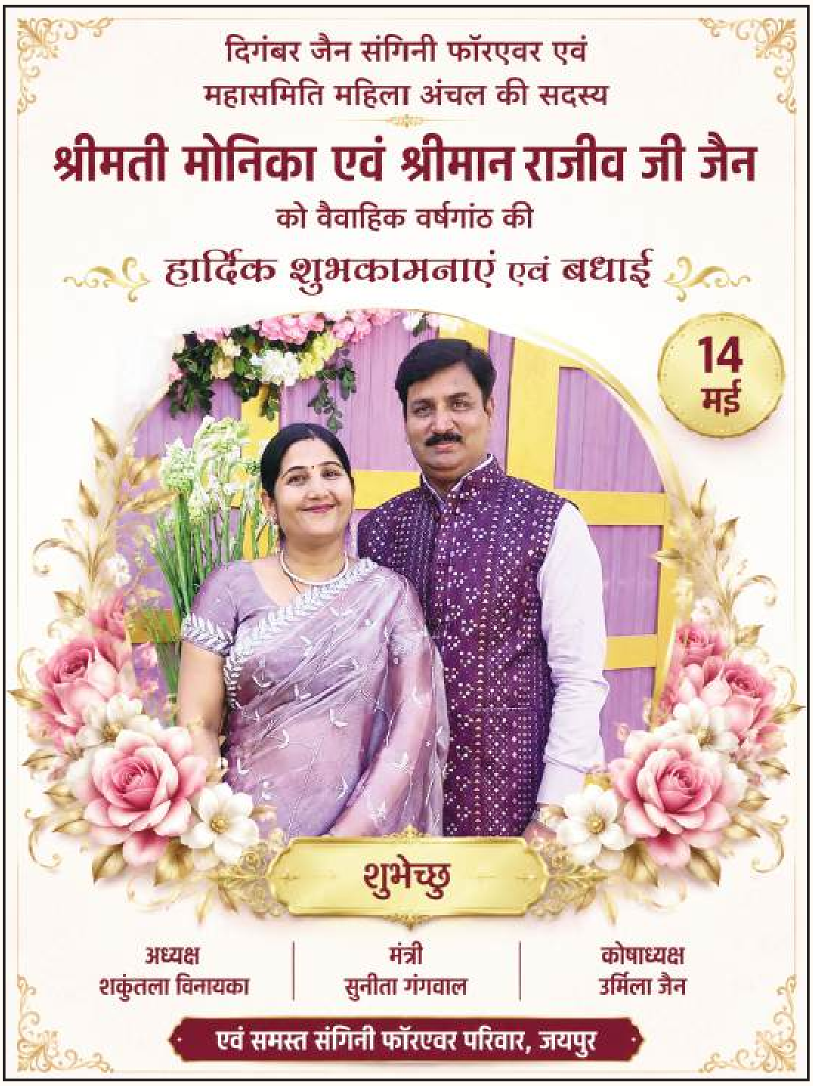

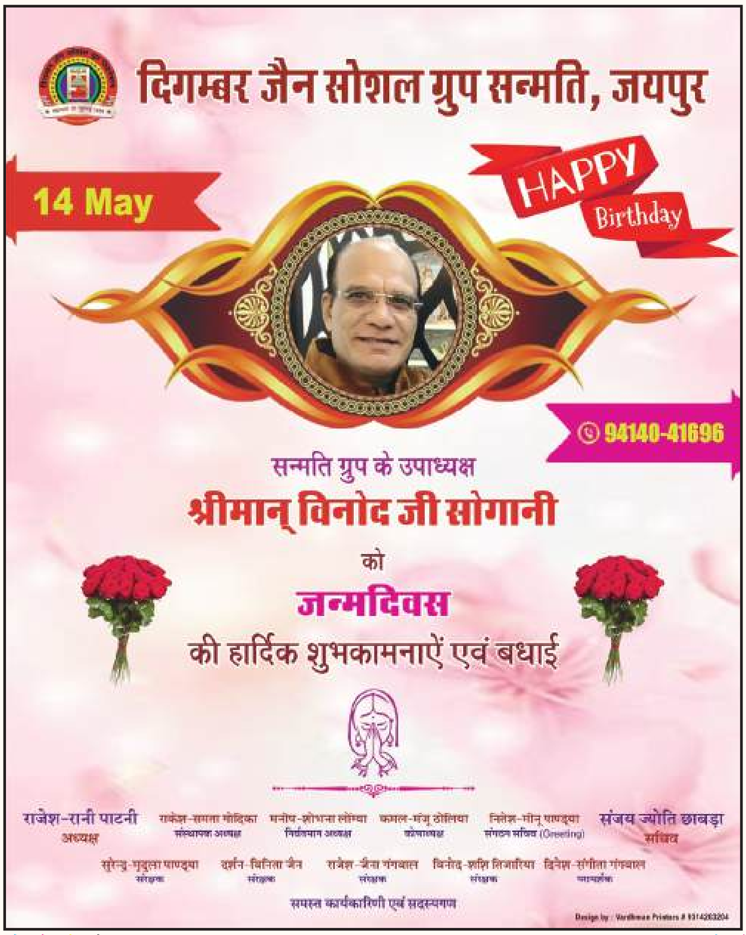

नर्सों का सेवा भाव मरीज के लिए संजीवनी

महावीर सेवा परिषद ने 'फ्लोरेंस नाइटेंगिल' के जन्मदिवस पर आयोजित किया कार्यक्रम

हॉस्पिटल के नर्सिंग स्टाफ को स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया प्रोत्साहित

अजमेर (रोहित जैन)

अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर मंगलवार को महावीर सेवा परिषद द्वारा वैशाली नगर स्थित अरोड़ा एलर्जी हॉस्पिटल में कार्यरत नर्सिंग स्टाफ का सम्मान किया गया। परिषद ने चिकित्सा क्षेत्र में नर्सों के अतुलनीय योगदान और उनकी निस्वार्थ सेवा भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया।

सेवा और मुस्कुराहट से मिलता है स्वास्थ्य लाभ

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए परिषद के महासचिव कमल गंगवाल ने कहा कि किसी भी मरीज के इलाज में डॉक्टर के साथ-साथ नर्स की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक नर्स का मधुर व्यवहार और चेहरे पर मुस्कुराहट मरीज को मानसिक राहत प्रदान करती है, जिससे बीमारी से उबरने में काफी मदद मिलती है।

फ्लोरेंस नाइटेंगिल को किया याद

गंगवाल ने बताया कि यह दिवस आधुनिक नर्सिंग की अग्रदूत फ्लोरेंस नाइटेंगिल के जन्मदिवस की स्मृति में मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य समाज में नर्सों के योगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें बेहतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

इनका हुआ सम्मान

समारोह के दौरान चिकित्सा प्रभारी डॉ. दीप्ति अरोड़ा ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले नर्सिंग स्टाफ के सदस्यों का अभिनंदन किया गया, जिनमें शामिल हैं:

स्नेहलता विष्णावत
राजेंद्र ज्यानी
रामस्वरूप
राहुल सैनी
एम डी साहिल
प्रेरणा राठौड़
सुरेश चौधरी

इन सभी सेवाभावी कर्मयोगियों को माला पहनाकर और स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संजय जैन, विजय पांड्या, देवर्ष गंगवाल सहित हॉस्पिटल का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

रिलायंस फाउंडेशन के प्रयासों से 3 हजार गांवों में बदला जीवन

ओआरएफ के साथ संयुक्त अध्ययन में दस वर्षों में आजीविका और ग्रामीण जीवन में सुधार का दावा

स्थानीय संस्थाओं और सामुदायिक भागीदारी को बताया आत्मनिर्भर गांव की कुंजी

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

रिलायंस फाउंडेशन और ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) ने ग्रामीण विकास पर दस वर्षों के कार्य का एक बड़ा अध्ययन जारी किया है। इस अध्ययन में देश के चार राज्यों के 3 हजार गांवों में हुए बदलावों का आकलन किया गया है। अध्ययन में बताया गया है कि मजबूत स्थानीय संस्थाओं, लोगों की भागीदारी और मिलकर किए गए प्रयासों से गांवों में आजीविका और जीवन स्तर में सुधार हुआ है। यह अध्ययन ओडिशा के बलांगीर, मध्य प्रदेश के मंडला, आंध्र प्रदेश के आदोनी और गुजरात के राधनपुर क्षेत्रों में किए गए कार्यों पर आधारित है। इसमें 2,100 से अधिक परिवारों के जीवन में आए बदलावों को समझा गया। नई दिल्ली में आयोजित चर्चा में नीति विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और विकास कार्यों से जुड़े लोगों ने आत्मनिर्भर गांवों के निर्माण पर विचार-विमर्श किया। ओआरएफ के उपाध्यक्ष डॉ. नीलांजन घोष ने कहा कि ग्रामीण विकास के लिए स्थानीय जरूरतों के अनुसार काम करना जरूरी है। वहीं रिलायंस फाउंडेशन के मुख्य विकास अधिकारी सुदर्शन सुची ने कहा कि गांव तब आत्मनिर्भर बनते हैं जब लोग मिलकर समाधान तैयार करते हैं और स्थानीय संस्थाएं मजबूत होती हैं। रिलायंस फाउंडेशन के ग्रामीण परिवर्तन कार्यक्रम प्रमुख अभिनव सेन ने कहा कि आंकड़ों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और लोगों की भागीदारी के जरिए ग्राम पंचायतों को और मजबूत बनाया जा सकता है। चर्चा में महिलाओं और युवाओं की भागीदारी बढ़ाने, पर्यावरण संरक्षण और डिजिटल तकनीकों के जिम्मेदार उपयोग पर भी जोर दिया गया। रिलायंस फाउंडेशन ने बताया कि वह शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण और खेल जैसे क्षेत्रों में काम कर रहा है।